नागपुर नवभारत प्लस

नागपुर, मंगलवार 11 सितंबर 2018

शिक्षा का कोई अंतिम कदम नहीं

इग्नू ने मनाया स्थापना दिवस

व्यापार संवाददाता

नागपुर. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय ने 'शिक्षा का कोई अंतिम कदम नहीं' विषय पर अपना 9वां स्थापना दिवस मनाया. मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के 3 वरिष्ठ छात्रों महापौर नंदा जिचकार, प्राध्यापक व सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख डा. प्रदीप देशमुख व बीएसएनएल की महाप्रबंधक नम्रता तिवारी उपस्थित थीं. जिचकार ने कहा कि उन्होंने इग्नू से एमए मनोविज्ञान पाठ्यक्रम का अध्ययन किया है. जिसे रुचि है और जो हमेशा छात्र बना रहता है, उसे सफलता जरूर मिलती है. इग्नू की अध्ययन की आदत उन्हें अंतरराष्ट्रीय दस्तावेजों का अध्ययन करने के लिए सहायक रहीं और महापौर के रूप में उनके कर्तव्यों का पालन करने में मदद मिली. आज स्वच्छ भारत के लिए मनपा सूची में सबसे ऊपर है. उन्होंने कहा कि शिक्षा ध्यान की तरह है और हमें अपने बच्चों को भी लगातार सीखते रहने के लिए बताना चाहिए. देशमुख ने इग्नू की सराहना करते हुए कहा कि यह पढ़ने की अधूरी इच्छाओं को पूरी करता है. जो शिक्षा प्राप्त करने और उनके जॉब को जारी रखना चाहते हैं, उन लोगों के लिए यह वरदान है. तिवारी ने कहा कि यहां पर उम्र का बंधन नहीं होता और जीवन में हर पल हमें सीखने का अनुभव मिलता है. वैसे भी हमें सीखने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए. इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डा. पी. शिवस्वरूप ने कहा कि राज्य सरकार ने रियायती दर पर ओमकारनगर चौक के पास इग्नू को जमीन आवंटित की है. इग्नू शीघ्र ही रकम का भुगतान करेगा. उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और महापौर जिचकार का आभार माना. उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में नामांकन में 37 प्रश वृद्धि हुई है. इस क्षेत्र में 6 नए अध्ययन केंद्र शुरू किये. इनमें गड़चिरोली जिले के कुरखेड़ा में जनजातीय अध्ययन केंद्र, यवतमाल में पांडरकवड़ा और वर्धा जिले के वाइफड और नागपुर में 3 अध्ययन केंद्र शुरू किये. इग्नू में 6 महीने की अवधि के 60 प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम है, जो कि विदर्भ के युवाओं के कौशल उन्नयन के लिए उपयोगी हो सकते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि मौजूदा फ्रेंच भाषा कार्यक्रम के अलावा इग्नू जल्द ही जापानी, जर्मन और स्पेनिश भाषा पाठ्यक्रम भी शुरू करने जा रहा है. इस अवसर पर डा. शक्ति शर्मा, डा. श्याम कोरेटी सहित अन्य उपस्थित थे.

■ Published simultaneously from NAGPUR, RAIPUR, JABALPUR, BHOPAL ● WEDNESDAY ● SEPTEMBER 12 ● 2018

TheHitavada

THE PEOPLE'S PAPER

IGNOU has best faculty for Psychology course: Mayor

■ Staff Reporter

"EDUCATION is meditation. It gives relief from stress and thus one should continue taking education throughout life. IGNOU is one such centre that gives you the flexibility to study any course of your interest as per your schedule," said Mayor Nanda Jichkar.

Jichkar was speaking at the 9th Foundation Day of IGNOU Regional Centre at 'Gyan Vatika', 14, Hindustan Colony, Amravati Road. Dr Pradeep Deshmukh, Professor and Head, Department of Community Medicine, AIIMS, Namrata Tiwari, General Manager, BSNL and Dr P Sivaswaroop, Regional Director were also present on the dais.

Jichkar completed her MA in Psychology from IGNOU. "Nagpur has the best faculty for Psychology course but she chose to complete it from IGNOU as the centre gave her relaxation of time," she said.

"MA in Psychology helps me to understand people's aggression and mob psychology which is very important in politics," she added.

Mayor Nanda Jichkar addressing the 9th Foundation Day of IGNOU Regional Centre while Namrata Tiwari, Dr P Sivaswaroop and Dr Pradeep Deshmukh look on. (Pic by Anil Futane)

Jichkar further said that today's generation should not gain degree just to get a job but should gain knowledge from the course.

Namrata Tiwari said that middle aged people and the elder ones should continue their education through centres like IGNOU so that they can complete the generation gap.

She had completed her MBA in HR from IGNOU. "IGNOU provides many courses that are required during the professional period," she said.

Dr Pradeep Deshmukh said that IGNOU has helped him to achieve his dream to study Mathematics in detail.

Dr Shakti Sharma compeered the programme while Dr S I Koreti proposed the vote of thanks.

आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार

दैनिक भास्कर

नागपुर, शुक्रवार 7 सितंबर, 2018 | भाद्रपद कृष्ण पक्ष-12, 2075

ताने-उलाहने की शर्मिंदगी को मात देने थामा शिक्षा का दामन

धारा के प्रतिकूल लक्ष्य को पाना आसान नहीं होता। अनेक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी दो खबरों में ऐसी ही मुश्किलों का जिक्र है। एक में ट्रांसजेंडर की मार्मिक व्यथा और दूसरे में कमर्शियल सेक्स वर्कर्स के सामने शिक्षा पाने में आ रही परेशानियां बता रही है कि धारा चाहे विपरीत हो, लगन हो तो लक्ष्य पाने से कोई रोक नहीं सकता।

12 वर्ष पहले इस ट्रांसजेंडर ने दी थी 10वीं की परीक्षा, अब बीपीपी की तैयारी में है

सामाजिक परिस्थितियों की वजह से आगे की पढ़ाई की, प्रेरक बनेंगे ये ट्रांसजेंडर

भास्कर संवाददाता | नागपुर

ट्रांसजेंडर की राह आसान होने लगी है। आम लोगों की तरह नौकरी करके पैसे कमाने की इच्छा इनमें भी है और उनकी इस इच्छा को पूरी करने में इग्नू की बड़ी भूमिका साबित होने वाली है। दो ट्रांसजेंडर दिशा और आयशा ने इग्नू में एडमिशन लिया है। इग्नू ने इनके समुदाय के लिए नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की है। ज्ञात रहे कि इग्नू इस तरह की योजना शुरू करने वाला पहला विवि है। इस योजना के तहत इग्नू से दो ट्रांसजेंडर की इस वर्ष पहली दो स्टूडेंट बन गई हैं। दिशा ने करीब 12 वर्ष पहले 10वीं की परीक्षा दी थी। उच्च शिक्षा ग्रहण करने की काफी इच्छा थी लेकिन सामाजिक परिस्थितियों की वजह से आगे की पढ़ाई नहीं कर पाई थी।

पढ़ने की इच्छा थी, एडमिशन लिया

मैं रोजी-रोटी की तलाश में जीविका चलाने लगी, लेकिन हमेशा पढ़ने लिखने-कर आम लोगों की तरह नौकरी करने की इच्छा रही। इग्नू के संपर्क में आई तो काफी कुछ पता चला और अब इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बीपीपी) में नामांकन कराया।
आयशा, [illegible]

इग्नू के जरिए पढ़ाई कर रही

नौवीं कक्षा तक पढ़ाई हुई, इसके बाद सब कुछ ठहर गया। अब इग्नू का साथ मिला है। इस वर्ष बीपीपी कोर्स में एडमिशन लिया है। हमें प्रेरणा दी है शिवा सर ने। वे हमारे प्रेरणास्रोत हैं।
दिशा, [illegible]

6 महीने का कोर्स है बीपीपी

बीपीपी 6 महीने का कोर्स है। इसे पूरा करने के बाद स्नातक कोर्स में एडमिशन दिया जाएगा। हम इन लोगों में जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं और चाहते हैं कि ये लोग भी समाज की मुख्यधारा में जुड़ सकें। इससे सभी लोगों में संदेश जाएगा। ऐसे समुदाय के लोगों के लिए रोजगार के अवसर मिलने चाहिए। इग्नू की क्षेत्रीय निदेशक इग्नू अब तक कैदियों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान कर रहा था, अब यह सुविधा ट्रांसजेंडर को भी दी जा रही है।
-डॉ. पी.शिवस्वरूप, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू

प्रेरणा ले रहे हैं अन्य ट्रांसजेंडर

ये दोनों बाकी किन्नरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। जागरूकता शिविर में कई किन्नरों ने भाग लिया था। ये पढ़ेंगे तो इनकी कम्युनिटी को भी पढ़ाई करने की प्रेरणा मिलेगी। पढ़ाई के बाद इन्हें जॉब करने के अवसर मिल सकते हैं, बल्कि इन्हें हम भी जॉब दे सकते हैं। इस बात से प्रोत्साहित होकर दो ट्रांसजेंडर इग्नू के बीपीपी कोर्स कर रहे हैं।
डॉ. राममनोहर मिश्रा, [illegible]

ट्रांसजेंडर्स के लिए इग्नू फ्री एजुकेशन मुहैया कराता है

इग्नू ट्रांसजेंडर्स के लिए फ्री एजुकेशन मुहैया कराता है। इस कदम के जरिए ट्रांसजेंडरों को एजुकेशन के क्षेत्र में आगे लाना है। इसके लिए एनजीओ व ट्रांसजेंडर्स एक्टिविस्ट से भी मदद मांगी जाती है। ज्ञात रहे कि इग्नू में एडमिशन के लिए ट्रांसजेंडर्स से ट्रांसफर और माइग्रेशन जैसा कोई डॉक्यूमेंट नहीं देना होता है। आधार नंबर या केंद्र व राज्य सरकार अथवा मेडिकल ऑफिसर या फिर किसी अन्य राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी सर्टिफिकेट के आधार पर इनके पहचान का वेरिफिकेशन हो जाता है।

और इधर...7 वारांगनाओं ने भी लिया एडमिशन, करेंगी पढ़ाई

एक ही कसक-मेरे बच्चे भी पढ़ाई कर रहे हैं, जब वे होमवर्क करते हैं तो पूछते हैं। मुझे समझ नहीं आता है तो उनके लिए पढ़ाई कर रही हूं।

भास्कर संवाददाता | नागपुर. अनेक कमर्शियल सेक्स वर्कर्स (वारांगनाएं) हैं, जो पढ़ना तो चाहती हैं पर मजबूरी आड़े आती है। आर्थिक तंगी से जूझ रही कमर्शियल सेक्स वर्कर्स की मदद की है इग्नू के कर्मचारियों ने। इन कर्मचारियों ने 10,500 रुपए की फीस खुद भर कर इन्हें शिक्षा देने का फैसला किया है। जी हां, इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने कमर्शियल सेक्स वर्कर्स को शिक्षित करने की मुहिम चलाई है। इस मुहिम से प्रेरित होकर 7 कमर्शियल सेक्स वर्कर्स बीपीपी कोर्स कर रही हैं। रेड लाइट एरिया गंगा-जमुना में बदतर हालात में जी रही ये कमर्शियल सेक्स वर्कर्स पढ़ाई करेंगी। इतना ही नहीं, वह अपने बच्चों को पढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। इनमें से अधिकतर छत्तीसगढ़, उड़ीसा और महाराष्ट्र की हैं। इनको पढ़ाई के लिए हॉल व स्टडी मटेरियल भी दिया जा रहा है।

अभी तैयार होगा हॉल पढ़ाई के लिए

गंगा-जमुना में ये कोर्स इग्नू के अधिकारी और रेड क्रॉस अधिकारी मिलकर शुरू करेंगे। अभी कक्षाओं के संचालन से संबंधित बातचीत चल रही है। क्लासेस हफ्ते में दो बार होंगी। वहीं क्लासेस लगाने से इन्हें आसानी होगी। इग्नू के नागपुर रिजनल सेंटर ने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के साथ मिलकर यह पहल की है। रेडक्रॉस सोसायटी काफी समय से काउंसलिंग कर उनकी मदद कर रही है। रेड क्रॉस सोसायटी और इग्नू, दोनों ने गंगा जमुना एरिया में एजुकेशन को लेकर काउंसलिंग की और उसी का नतीजा है कि इस वर्ष 7 प्रवेश निश्चित हो सके हैं। ये सभी 22 से 45 वर्ष की हैं।
हेमलता लोहवे, रेडक्रॉस अधिकारी

अवेयरनेस कैंप होते हैं

एजुकेशन दी जाए तो ये दलदल से बाहर निकल पाएंगी और बेहतर जीवन जी सकेंगी। पहल का फायदा हुआ है कि अब तक 7 एडमिशन हो चुके हैं। हम इन्हें रेडक्रॉस के साथ मिलकर प्रोत्साहित करते हैं। हमारे अधिकारी इनकी पूरी मदद करेंगे। हमारे स्टाफ ने मिलकर इनकी फीस भर दी है।
-डॉ. पी.स्वरूप, क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू

शादी जल्दी हो गई थी

मेरी शादी जल्दी हो गई थी, तब मैंने केवल 6वीं पास की थी। अभी मौका मिला है तो मैं पढ़ाई कर सकती हूं, शायद ये कुछ अच्छा अवसर साबित हो।
-उषा

पढ़ने का मौका नहीं मिला

कई बार सोचा कि पढ़ाई करूं, लेकिन कुछ कारणों से पढ़ाई रुक गई। अब अवसर मिला है, फॉर्म भर दिया है, आगे पढ़ाई करूंगी।
-निशा

बच्चों के लिए पढ़ रही

मेरे बच्चे भी बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं, जब वे होमवर्क करते हैं तो पूछते हैं। मुझे समझ नहीं आता है तो उनके लिए पढ़ाई कर रही हूं।
गुड्डी

Transgenders and Commercial Sex Workers students of IGNOU RC, Nagpur

www.epaper.lokmat.com/lokmattimes/

Lokmat Times

MONDAY | 18 JUNE 2018

IGNOU is one of the largest varsities in the world with 3 million students: Dr Sivaswaroop

LOKMAT NEWS NETWORK
NAGPUR, JUNE 17

Indira Gandhi National Open University (IGNOU) Nagpur Regional Centre had organised 'Gyan-Kaushal Manthan' a discussion forum with principals of engineering and polytechnic colleges at Nagpur.

Joint director of technical education Gulabrao Thakare, was the chief guest.

The meeting was inaugurated by Gulabrao Thakre and regional director of IGNOU Nagpur Regional Centre, Dr P Sivaswaroop.

In his welcome address Dr Sivaswaroop explained the objectives of the meeting. He said that nowadays young generation is multi-talented and multi-tasking.

Its energies and capabilities should be channelised for their better future. "Add on Programes" of IGNOU for knowledge and skill updation of the students is a small step in this direction.

He said IGNOU is a Central University with all the 712 districts under its jurisdiction and few centers in foreign countries. Today it is one of the largest universities in the world with 3 million students.

This global status of IGNOU is achieved with its international quality in study material and the inbuilt quality embedded procedures.

Dr Sivaswaroop said many will have a doubt about how one can learn practical skills through distance mode.

He explained that practicals are compulsory component in skilled based programmes and are held at reputed institutes like Institute of Science for BSC, MGIMS Sewagram for doctors and Geo Informatics at NRSC ISRO Nagpur. Attendance in these lab sessions are compulsory and external examination are held at the end of the session.

Until a student successfully completes the lab sessions and exams their certificate is not awarded.

Gulabrao Thakare in his address said that it was a old concept that IGNOU is a centre for continuing education for those who are employed. Today IGNOU has come forward with skill based courses to improve employability of the graduates.

Many of the engineering graduates are not getting job due to lack of practical skills and AICTE has included compulsory internship for the engineering students.

Thakare emphasised that there should be difference in skills for employment, skills for better employment and skills for highly educated like Ph D.

He advised the colleges to spare their laboratories during vacation for collaborating with IGNOU and in providing skills to the students.

Assistant registrar Senthil Raj, explained around twelve certificate courses suitable for engineering students.

Assistant regional director, Dr Y Venkateshwarlu, gave the academic contents of these courses.

The courses include Information Security, Geo Informatics, Functional English, Communication and IT skills, French Language, Business Skill (for would be entrepreneurs) etc. It is also said that IGNOU has several programs suitable for teachers and non teaching staff of the colleges.

Directors or principals of several prominent colleges participated in the forum. The participants interacted on various issues like the counseling classes, the lab sessions, the evaluation system, possibility of IGNOU centre in their colleges etc.

Many participants said some of the courses are extremely useful for the students and 'Gyan Ganga' awareness meeting will be held at the colleges because employability of students is a great concern today for everyone, including students, parents, teachers, colleges and administrators. Employability enhancement programmes as 'add on programes' for regular college students is an effective step in this direction.

Regional director of IGNOU Nagpur Centre, Dr P Sivaswaroop and joint director of technical education Gulabrao Thakare at 'Gyan-Kaushal Manthan' programme with principals of engineering and polytechnic colleges at Nagpur.

This global status of IGNOU is achieved with its international quality in study material and the inbuilt quality embedded procedures.